RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अप्रैल
09
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

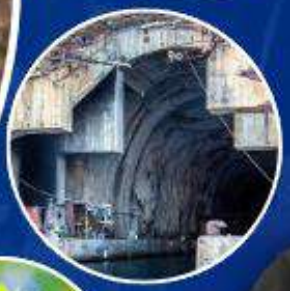

By Ankit Avasthi Sir

कपास उत्पादन में गिरावट / Decline in cotton production

संदर्भ:

विपणन वर्ष 2024-25 (अक्टूबर-सितंबर) में भारत का कपास उत्पादन **294 लाख गांठों** (1 गांठ = 170 किग्रा) के करीब रहने का अनुमान है, जो **2008-09 के 290 लाख गांठों** के बाद का सबसे **निचला स्तर** है। वर्ष 2013-14 में उत्पादन चरम पर था (398 लाख गांठ), लेकिन तब से इसमें लगातार गिरावट देखी जा रही है। करीब **400 से घटकर 300 लाख गांठों** तक की यह गिरावट **गंभीर संकट** का संकेत देती है।

कपास उत्पादन में गिरावट - पिंक बॉलवर्म (PBW) संकट:

1. उत्पादन में बढ़ोतरी और फिर गिरावट:

- साल 2002-03 में कपास की उपज 302 किग्रा/हेक्टेयर थी।
- Bt कपास के आने से यह 2013-14 तक बढ़कर 566 किग्रा/हेक्टेयर हो गई।
- लेकिन पिछले दो वर्षों में **पिंक बॉलवर्म के बढ़ने** से उपज घटकर **436–437 किग्रा/हेक्टेयर** रह गई।

2. पिंक बॉलवर्म (PBW) क्या है?

- यह एक **monophagous कीट** है यानी यह **सिर्फ कपास** पर ही निर्भर रहता है।
- यह कपास के **फलों (bolls)** को खाता है, जिससे
  - बीज और रेशा (lint) दोनों खराब होते हैं,
  - उपज में कमी आती है,
  - और कपास का रंग भी खराब हो जाता है।

3. कपास पर कीटरोधी असर खत्म:

- Bt हाइब्रिड्स में दो जीन होते हैं – **cry1Ac और cry2Ab**।
- ये जीन शुरू में कई कीटों पर असरदार थे।
- लेकिन **PBW ने साल 2014 तक इन जीनों के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता** विकसित कर ली।
- ये जीन PBW के खिलाफ **असरहीन** हो चुके हैं।

4. PBW ने जल्दी प्रतिरोध कैसे विकसित किया?

- इसका कारण है:
  - यह **सिर्फ कपास पर ही निर्भर** रहता है, इसलिए **तेजी से बदलाव (genetic adaptation)** कर पाया।
  - इसका **जीवन चक्र छोटा होता है** (25-35 दिन), जिससे एक फसल के दौरान **3–4 पीढ़ियाँ** बन जाती हैं।
  - इससे **प्रतिरोध जल्दी विकसित** हो गया।

कपास उत्पादन बढ़ाने के प्रयास:

1. नए GM हाइब्रिड्स का विकास-

- भारतीय बीज कंपनियाँ **नए Bt जीन** वाले हाइब्रिड्स बना रही हैं ताकि **PBW के प्रतिरोध** से निपटा जा सके।
- इनमें शामिल हैं:
  - **cry8Ea1 जीन** (Bioseed Research India द्वारा विकसित)
  - **Synthetic cry1c जीन**
  - **Chimeric Bt प्रोटीन** आदि।

2. किन चुनौतियों का सामना हो रहा है?

- **सरकारी मंजूरी में देरी** (ब्यूरोक्रेटिक डिले)।
- **पर्यावरण समूहों का विरोध**।
- भारत में **2006 के बाद कोई नया GM फसल व्यावसायिक रूप से नहीं अपनाया गया**, जब Monsanto का Bollgard-2 Bt कपास आया था।

3. सरकार का मिशन: 2025-26 के केंद्रीय बजट में एक 500 करोड़ रुपये की पांच वर्षीय योजना की घोषणा की गई है।

4. PBW के कारण आपातकाल जैसी स्थिति: पिंक बॉलवर्म ने **भारत के कपास क्षेत्र में संकट जैसी स्थिति** पैदा कर दी है।

दुर्लभ बीमारियाँ / Rare Diseases

संदर्भ:

संसदीय आंकड़ों के अनुसार, अब तक **13,479 मरीजों** ने *राष्ट्रीय दुर्लभ एवं अन्य आनुवंशिक विकार रजिस्ट्री (National Registry for Rare and Other Inherited Disorders)* में पंजीकरण कराया है।

दुर्लभ बीमारियाँ / Rare Diseases:

रेयर डिज़ीज क्या होती हैं?

- ऐसी बीमारियाँ जो **बहुत कम लोगों** को होती हैं।
- दुनिया में **हजारों रेयर डिज़ीज हैं** और नई बीमारियाँ अब भी खोजी जा रही हैं।

कुछ प्रमुख दुर्लभ बीमारियाँ के उदाहरण:

- Acromegaly
- Amyotrophic Lateral Sclerosis (ALS)
- Cystic Fibrosis
- Duchenne Muscular Dystrophy
- Gaucher Disease
- Hemophilia
- Huntington's Disease
- Sickle Cell Disease

रेयर डिज़ीज की विशेषताएँ:

- ये बीमारियाँ अक्सर **आनुवंशिक (genetic)** होती हैं।
- कुछ देशों में इन्हें **"Orphan Diseases"** कहा जाता है, क्योंकि इन पर **शोध या फंडिंग बहुत कम** होती है।
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** के अनुसार, ऐसी बीमारी को रेयर माना जाता है जो **हर 1 लाख में 65 से कम लोगों को प्रभावित करती है।**

भारत में दुर्लभ रोगों (Rare Diseases) की स्थिति:

- भारत में विश्व के दुर्लभ रोगों का एक बड़ा हिस्सा पाया जाता है, और अनुमान है कि लगभग **8 से 10 करोड़ लोग** इन बीमारियों से प्रभावित हैं।
- **दिल्ली हाईकोर्ट** ने इस मुद्दे पर चिंता जताई है और कहा है कि अभी भी **कई मरीज पंजीकृत नहीं हैं**, जिससे उनकी पहचान और इलाज नहीं हो पा रहा है।
- कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार और न्यायपालिका को इस विषय में **निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए** और सक्रिय कदम उठाने चाहिए।
- चूंकि दुर्लभ रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या **प्रबंधनीय है**, इसलिए सरकार द्वारा **लक्षित योजनाओं और मदद** से इस समस्या का प्रभावी समाधान किया जा सकता है।

भारत में रेयर डिज़ीज:

- भारत में पाई जाने वाली कुछ रेयर बीमारियाँ:
  - Lysosomal Storage Disorders (LSDs)
  - Mucopolysaccharoidosis (MPS) Type I
  - Adrenoleukodystrophy

दुर्लभ रोगों से निपटने की मुख्य चुनौतियाँ:

- **उच्च इलाज खर्च:** कुछ दवाएँ जैसे risdiplam (SMA के लिए) का खर्च ₹72 लाख/वर्ष, जो NPRD की ₹50 लाख सीमा से अधिक है।
- **जल्दी खत्म होती मदद:** वित्तीय सहायता जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे इलाज अधूरा रह जाता है।
- **सरकारी सहयोग की कमी:** फंड की कमी के कारण सरकार अतिरिक्त मदद नहीं देती; कोर्ट के निर्देशों को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।
- **पेटेंट बाधाएँ:** पेटेंट के कारण भारत में जरूरी दवाओं का स्थानीय उत्पादन नहीं हो पाता।
- **दवाएं भारत में उपलब्ध नहीं:** पेटेंट कंपनियाँ भारत में दवा लाने से मना कर देती हैं, जिससे मरीजों को दिक्कत होती है।

पश्चिमी चिम्पांजी /Western chimpanzee

संदर्भ:

हाल ही में Cell पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि पश्चिम अफ्रीका के चिम्पांजी **प्रजनन के लिए विशिष्ट बोलियों (mating dialects)** का उपयोग करते हैं, जो उनकी एक सांस्कृतिक विशेषता है। अध्ययन में यह भी चेतावनी दी गई है कि **मानव हस्तक्षेप** इन **पारंपरिक व्यवहारों को खत्म कर रहा है**।

आवास: पश्चिमी चिम्पांजी की आबादी एक समय दक्षिणी सेनेगल से लेकर पूर्व में नाइजर नदी तक फैली हुई थी। आज, सबसे बड़ी आबादी गिनी, सिएरा लियोन और लाइबेरिया में पाई जाती है।

अध्ययन से प्रमुख निष्कर्ष:

- **चिम्पांजी भी इंसानों की तरह संस्कृति (Culture) दिखाते हैं**, जो सीखी और साझा की गई परंपराओं से बनती है।
- वैज्ञानिकों ने नर चिंपैंजियों द्वारा **प्रजनन रुचि (mating interest) जताने के चार विशेष 'डायलेक्ट' (इशारे)** पहचाने:
  1. **हील-किक** – ज़मीन पर पैर पटकना
  2. **नकल-नॉक** – सतह पर हल्के से दस्तक देना
  3. **लीफ-क्लिप** – पत्तियाँ फाड़कर आवाज़ निकालना
  4. **ब्रांच-शेक** – शाखाओं को जोर से हिलाना
- ये **सभी इशारे समुदाय-विशेष और सीखे हुए होते हैं, आनुवंशिक नहीं होते।**
- कई समूहों में वयस्क नर चिंपैंजियों की मौत के कारण कुछ डायलेक्ट (जैसे नकल-नॉक) खत्म हो गए।
- आबादी बढ़ने के बाद भी ये डायलेक्ट वापस नहीं आए, जिससे साबित होता है कि सांस्कृतिक ज्ञान अगली पीढ़ी तक नहीं पहुंचा।

मानव गतिविधियों का प्रभाव और चिम्पांजी संस्कृति की रक्षा:

मानव क्रियाओं का प्रभाव:

- **वनों की कटाई (Habitat loss)** और **शिकार** से चिम्पांजी की संख्या घट रही है और उनकी सांस्कृतिक आदतें भी टूट रही हैं।
- **2004 से 2011** के बीच **North समूह** में कई वयस्क नर चिंपैंजियों की मृत्यु हुई, जिससे **"नकल-नॉक" इशारा पूरी तरह गायब** हो गया।
- बाद में नए वयस्क नर जुड़े, लेकिन वो इशारा वापस नहीं आया, क्योंकि सांस्कृतिक ज्ञान खो चुका था।

क्षेत्रीय सांस्कृतिक भिन्नताएँ:

- **युगांडा के चिम्पांजी** प्रजनन के लिए **"ऑ जेक्ट-स्लैप" (चीजों को मारकर आवाज़ निकालना)** जैसे अलग इशारे करते हैं।
- ये अंतर **जीन या वातावरण की वजह से नहीं**, बल्कि **सामाजिक रूप से सीखी गई आदतें** हैं।

चिंपैंजी संस्कृति की रक्षा की ज़रूरत:

- **संस्कृति जीवों को ज़िंदा रहने में मदद करती है**, जैसे औज़ारों का उपयोग या भोजन खोजने के तरीके।
- अब संरक्षण (conservation) में **जानवरों की** संस्कृति को बचाना भी शामिल किया जा रहा है।
- **बुज़ुर्ग चिम्पांजी** समूह के लिए जरूरी सांस्कृतिक ज्ञान रखते हैं – उनकी मृत्यु से **समूह की जीवित रहने की क्षमता घटती है**

संरक्षण स्थिति:

- IUCN (International Union for Conservation of Nature) ने पश्चिमी चिंपैंजी (Western Chimpanzee) को अपनी Red List में Critically Endangered (अत्यंत संकटग्रस्त) प्रजाति घोषित किया है।
- जंगलों में इनकी अनुमानित संख्या 21,300 से 55,600 के बीच है।
- पश्चिमी चिम्पांजी के लिए सबसे बड़ा खतरा है –
  1. **आवास की हानि (Habitat loss)**
  2. **शिकार करना (Bushmeat के लिए मारना)**

कॅप्चा / CAPTCHA

संदर्भ:

हाल ही में **बोट गतिविधियों और डिजिटल सुरक्षा में सेंध** की बढ़ती घटनाओं के बीच **CAPTCHA सिस्टम** एक बार फिर सुर्खियों में हैं। ये घटनाएं न केवल CAPTCHA की **महत्ता को उजागर करती हैं**, बल्कि **इस तकनीक की सीमाओं** पर भी सवाल खड़ा करती हैं, खासकर तेजी से बदलते साइबर परिदृश्य में।

CAPTCHA क्या है?

1. **CAPTCHA का पूरा नाम:**
   - CAPTCHA का पूरा नाम है: **Completely Automated Public Turing test to tell Computers and Humans Apart**
   - इसका अर्थ है: **एक पूरी तरह से स्वचालित सार्वजनिक ट्यूरिंग परीक्षण जो कंप्यूटर और इंसानों के बीच अंतर करता है।**
2. **CAPTCHA का उद्देश्य:**
   - यह एक **सुरक्षा उपाय (security measure)** है।
   - इसका उपयोग यह जांचने के लिए किया जाता है कि कार्य करने वाला **इंसान है या बॉट**।
   - वेबसाइटों को **स्वचालित बॉट्स से सुरक्षा** प्रदान करता है।
3. **CAPTCHA कैसे मदद करता है?**
   - वेबसाइट को **स्पैम (Spam)** से बचाता है।
   - **गलत उपयोग (Misuse)** को रोकता है।
   - यह सुनिश्चित करता है कि
     - फॉर्म भरना,
     - कमेंट करना,
     - अकाउंट बनाना जैसी क्रियाएं **इंसानों द्वारा की जा रही हैं**, न कि बॉट्स द्वारा।

CAPTCHA का विकास (Development): इसे **2000 के दशक की शुरुआत** में विकसित किया गया।

- **विकास का कारण:**
  - इंटरनेट पर बॉट्स की संख्या बढ़ गई थी जो
    - **नकली अकाउंट बनाते थे**,
    - **वेबसाइट पर स्पैम करते थे**,
    - **और डेटा चोरी करते थे**।
  - इन समस्याओं से निपटने के लिए CAPTCHA बनाया गया।

CAPTCHA का पेटेंट: पहला पेटेंट 2003 में किया गया था।

CAPTCHA कैसे काम करता है?

1. **मानव के लिए आसान, मशीन के लिए कठिन कार्य प्रस्तुत करना:** CAPTCHA ऐसे कार्य दिखाता है जो:
   - **इंसानों के लिए आसान** होते हैं।
   - लेकिन **मशीनों (बॉट्स)** के लिए कठिन होते हैं।
2. **प्रस्तुत किए गए कार्यों के उदाहरण:**
   - **बिकृत (distorted) टेक्स्ट को पहचानना**
   - **चित्रों (images) में वस्तुएँ पहचानना**, जैसे - "सभी ट्रैफिक लाइट चुनें"
   - **ध्वनि (audio CAPTCHA)** में शब्द पहचानना, मशीनें इन कार्यों को **इंसानों जितनी सटीकता से समझ नहीं पातीं**।
3. **ट्यूरिंग टेस्ट के सिद्धांत पर आधारित:**
   - CAPTCHA, **Turing Test** के सिद्धांत पर काम करता है।
   - ट्यूरिंग टेस्ट को **ब्रिटिश गणितज्ञ Alan Turing** ने **1950 के दशक** में डिज़ाइन किया था।
4. **ट्यूरिंग टेस्ट का उद्देश्य:**
   - यह परखना कि क्या कोई मशीन ऐसा व्यवहार कर सकती है जो **इंसानों जैसा** लगे।
   - अगर मशीन इंसान की तरह जवाब दे, तो वह ट्यूरिंग टेस्ट पास मानी जाती है।

CAPTCHA की सीमाएँ:

- दृष्टि या श्रवण बाधित लोगों के लिए पहुंच (Accessibility) की समस्याएँ।
- उपयोगकर्ताओं के लिए झुंझलाहट भरा हो सकता है, विशेष रूप से मोबाइल उपकरणों पर।
- AI और मशीन लर्निंग का उपयोग करने वाले उन्नत बॉट कुछ CAPTCHA सिस्टम को बायपास कर सकते हैं।
- एक अतिरिक्त सत्यापन चरण जोड़ता है, जिससे उपयोगकर्ता हतोत्साहित हो सकते हैं या उपयोगकर्ता अनुभव (UX) की गुणवत्ता कम हो सकती है।

विदेशी निधियों पर नई नीति / New Policy on Foreign Funds

संदर्भ:

गृह मंत्रालय (MHA) ने विदेशी फंडिंग से जुड़ी अपनी नीति में बदलाव करते हुए **पूर्व अनुमति (Prior Permission) के माध्यम से प्राप्त विदेशी अंशदान** की वैधता अब केवल **चार वर्ष** तक सीमित कर दी है। पहले की नीति में ऐसी कोई समय-सीमा नहीं थी, और संगठन तब तक फंड का उपयोग कर सकते थे जब तक पूरी राशि खर्च न हो जाए।

विदेशी अंशदान (नियमन) अधिनियम – FCRA क्या है?

1. **परिचय (Introduction):**
   - यह कानून पहली बार **1976 में लागू** किया गया था।
   - इसके बाद **2010 और 2020 में संशोधन** किए गए।
   - इसका उद्देश्य **सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक, आर्थिक और सांस्कृतिक** कार्यों के लिए विदेशी अंशदान (foreign donations) को **नियमित करना** है।
2. **पंजीकरण (Registration):**
   - विदेशी धन प्राप्त करने के लिए **NGO को FCRA के तहत पंजीकरण** कराना अनिवार्य है।
   - यह कानून **NGO के साथ-साथ किसी भी संगठन या समूह** पर लागू होता है जो विदेशी अंशदान प्राप्त करता है।
   - पंजीकरण **5 वर्षों के लिए मान्य** होता है और इसे **नवीनीकृत (renew) किया जा सकता है।**
3. **वार्षिक रिटर्न (Annual Returns):** सभी पंजीकृत संस्थाओं को **हर वर्ष आयकर की तरह वार्षिक रिटर्न दाखिल** करना होता है।
4. **2015 के नियम (Rules by MHA):**
   - गृह मंत्रालय (MHA) ने 2015 में नियम बनाए कि विदेशी फंड का उपयोग
     - **भारत की संप्रभुता, एकता, सांप्रदायिक सौहार्द**
     - और **विदेशी संबंधों** को प्रभावित करने के लिए **नहीं किया जा सकता।**

छूट और प्रतिबंध (Exemptions & Restrictions):

1. **निम्न व्यक्तियों और संस्थाओं को विदेशी अंशदान प्राप्त करने की अनुमति नहीं:**
   - विधायक और सांसद
   - राजनैतिक दल
   - सरकारी अधिकारी
   - न्यायाधीश
   - मीडिया कर्मी
2. **2017 संशोधन:** राजनीतिक दल अब **उन विदेशी कंपनियों से फंड ले सकते हैं** जिनकी भारतीय कंपनियों में **50% से अधिक हिस्सेदारी** है या जो भारत में सहायक कंपनियाँ चलाते हैं।

नई नीति की मुख्य बातें:

1. **पूर्व अनुमति के माध्यम से प्राप्त फंड:**
   - अब फंड **अनुमोदन तिथि से 4 वर्षों** तक ही वैध रहेगा।
   - पहले यह तब तक वैध रहता था जब तक पूरा फंड खर्च न हो जाए।
2. **समय सीमा का उल्लंघन (Violation):** निर्धारित समय सीमा का पालन न करने पर **कानून का उल्लंघन** माना जाएगा और **दंडात्मक कार्रवाई** की जा सकती है।
3. **पूर्व अनुमोदित आवेदन:** यदि 7 अप्रैल 2025 तक किसी संस्था के पास पहले से पूर्व अनुमति है और परियोजना में 3 वर्ष से अधिक बचे हैं, तो
   - नया समय – 3 वर्ष तक फंड प्राप्त करने की सीमा और 4 वर्ष तक उपयोग की सीमा – 7 अप्रैल 2025 से लागू होगी।
4. **पूर्व अनुमति की पात्रता:**
   - यदि कोई NGO FCRA पंजीकरण के योग्य नहीं है, तो वह **विशिष्ट प्रोजेक्ट के लिए पूर्व अनुमति** ले सकता है।
   - शर्त यह है कि वह निम्न में से किसी अधिनियम के तहत पंजीकृत हो:
   - Societies Registration Act, 1860
   - Indian Trusts Act, 1882
   - Companies Act, 1956 की धारा 25 (अब धारा 8 के अंतर्गत)

FCRA का महत्व (Significance of FCRA):

1. **राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा:** विदेशी फंड का उपयोग **भारत की संप्रभुता और एकता** के विरुद्ध न हो, यह सुनिश्चित करता है।
2. **विदेशी अंशदान का नियमन:** विदेशी धन के प्रवाह को **नियंत्रित और मॉनिटर** करता है।
3. **पारदर्शिता को बढ़ावा:** विदेशी फंड के **लेखा-जोखा और उपयोग** में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।
4. **राजनीतिक हस्तक्षेप से रोकथाम:** राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को **विदेशी धन लेने से रोकता है।**
5. **मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम:** विदेशी चैनलों के माध्यम से **अवैध गतिविधियों और वित्तीय अपराधों** को रोकता है।

मेगालिथ / Megalith

संदर्भ:

हाल ही में केरल के **बंदडुका** क्षेत्र के **मणिमूला गांव** में एक **शैलकृत (rock-cut) कक्ष** और कई **पुरातात्विक वस्तुएं** खोजी गई हैं। यह खोज क्षेत्र की प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को उजागर करने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

Megalith क्या है?

Megalith एक **बड़ा पत्थर** होता है जिसे **प्राचीन स्मारकों (monuments)** के निर्माण में अकेले या कई पत्थरों के साथ प्रयोग किया जाता था।

निर्माण का उद्देश्य:

1. **दफन (Burial / Sepulchral)** उद्देश्यों से
2. **स्मारक/अनुष्ठानिक (Commemorative / Non-sepulchral)** उद्देश्यों से

भारत में Megaliths का काल:

- ज़्यादातर मेगालिथिक स्थल **Iron Age (1500 BCE – 500 BCE)** के हैं।
- कुछ स्थल **2000 BCE** से पहले के भी हैं।

प्रकार:

1. Burial (दफनाने वाले प्रकार):

- **Dolmenoid Cists** – पत्थरों से बने **डिब्बेनुमा कक्ष**, शव रखने के लिए
- **Cairn Circles** – **पत्थरों के घेरे**, जो दफन स्थान को चिह्नित करते हैं
- **Capstones** – **मशरूम आकार के पत्थर**, मुख्यत: केरल में पाए जाते हैं
- **Urns/Sarcophagi** – **Terracotta (मिट्टी) से बने बर्तन**, अक्सर **अस्थियों या राख को रखने** के लिए

2. Non-Burial (गैर-दफन प्रकार): **Menhirs** – **खड़े पत्थर**, जो **स्मृति चिन्ह** होते हैं, आमतौर पर दफन से संबंधित नहीं होते

प्रोजेक्ट वर्षा / Project Varsha

संदर्भ:

भारत 2026 तक आंध्र प्रदेश में अपना पहला **समर्पित परमाणु पनडुब्बी अड्डा INS वर्षा** चालू करने जा रहा है। यह **प्रोजेक्ट वर्षा** का हिस्सा है। इसके साथ ही देश **अपनी तीसरी परमाणु शक्ति-संपन्न पनडुब्बी INS अरिधमान** को भी संचालन में लाने की योजना बना रहा है, जिससे समुद्री सुरक्षा क्षमता को और मज़बूती मिलेगी।

Project Varsha: यह एक **गोपनीय नौसैनिक परियोजना** है, जिसके तहत भारतीय नौसेना **INS Varsha** नामक एक **आधुनिक परमाणु पनडुब्बी अड्डा** बना रही है।

स्थान:

- **रामबिल्ली**, विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) से लगभग 50 किमी दक्षिण में स्थित है।
- BARC अच्युतापुरम के पास बनाया जा रहा है, जिससे उन्नत परमाणु सुविधाओं तक आसानी रहती है।

मुख्य उद्देश्य:

- **बंगाल की खाड़ी** और **हिंद महासागर क्षेत्र (IOR)** में भारत की **समुद्री हमलावर क्षमता** बढ़ाना।
- **चीन की रणनीतिक गतिविधियों** का जवाब देना।

मुख्य विशेषताएं (Key Features):

1. **भूमिगत पनडुब्बी सुरंगें और पेन (Underground pens)** – ताकि **गुप्त रूप से तैनाती** हो सके
2. **12 परमाणु पनडुब्बियों** को रखने की क्षमता
3. **उपग्रह और हवाई निगरानी से सुरक्षा**
4. Strait of Malacca जैसे रणनीतिक मार्गों तक तेज़ पहुँच

रणनीतिक महत्व (Strategic Significance):

- **चीन के दोहरे उपयोग वाले नौसैनिक अड्डों** (जैसे हम्बनटोटा – श्रीलंका, BNS शेख हसीना – बांग्लादेश) का संतुलन
- **भारत की परमाणु त्रिक (Nuclear Triad)** में **दूसरी मार की क्षमता** को मज़बूत करता है

पीओईएम-4 / POEM-4

संदर्भ:

हाल ही में ISRO के मिशन POEM-4 ने पृथ्वी के वायुमंडल में सफलतापूर्वक पुन: प्रवेश किया और **हिंद महासागर** में गिरा। इस पुन: प्रवेश को ISRO के **IS4OM (Safe and Sustainable Space Operations Management System)** द्वारा निगरानी में रखा गया, जो अंतरिक्ष मलबे को कम करने और सुरक्षित अंतरिक्ष संचालन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्या है POEM-4?

- यह **ISRO** द्वारा विकसित एक **स्पेस रिसर्च प्लेटफॉर्म** है।
- यह **PSLV रॉकेट के चौथे चरण (PS4)** को प्रयोगात्मक उपग्रह की तरह **कक्षा में दोबारा उपयोग** करता है।
- यह **SpaDeX (Space Docking Experiment)** मिशन का हिस्सा है।

मुख्य विशेषताएं:

1. यह **POEM सीरीज का चौथा संस्करण** है (POEM-3 के बाद)।
2. **POEM-4 की पेलोड क्षमता POEM-3 से तीन गुना ज्यादा** है।
3. यह रॉकेट के ऊपरी हिस्से के **पुन: उपयोग (reuse)** की दिशा में **ISRO की बड़ी उपलब्धि** है।

कुल 24 पेलोड शामिल:

- 14 पेलोड ISRO द्वारा
- 10 पेलोड गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा

POEM-4 Launch और मिशन विवरण –

लॉन्च की तारीख: **30 दिसंबर 2024** को **PSLV-C60** रॉकेट से लॉन्च किया गया।

मुख्य पेलोड: इसमें **दो SPADEX सैटेलाइट** थे, जिन्हें **475 किमी ऊँचाई** पर स्थापित किया गया।

PS4 का प्रयोग POEM-4 के रूप में:

- सैटेलाइट छोड़ने के बाद, PSLV का **ऊपरी चरण (PS4)** को **POEM-4** के रूप में दोबारा उपयोग किया गया।
- यह **करीब की कक्षा** में घूमता रहा और एक **प्रयोगात्मक मंच** के रूप में काम करता रहा

माउंट कनलाओन / Mount Kanlaon

संदर्भ:

फिलीपींस के **माउंट कनलाओन**, एक स्ट्रैटोवोल्केनो, में हाल ही में विस्फोट हुआ, जिससे **4,000 मीटर ऊंचा राख का गुबार** उठा। इस कारण कई क्षेत्रों में **स्कूल बंद** कर दिए गए और **निकासी प्रक्रिया** शुरू कर दी गई।

- यह कुछ महीनों में दूसरी बड़ी घटना है, जो **प्रशांत रिंग ऑफ फायर** में स्थित इस क्षेत्र की **भूकंपीय संवेदनशीलता** को फिर से उजागर करती है।

माउंट कानलाओन के बारे में:

1. **क्या है:** माउंट कानलाओन एक सक्रिय एंडेसाइटिक स्ट्रैटोवोल्केनो (Andesitic Stratovolcano) है।
2. **स्थिति:** यह **फिलीपींस** देश के **नेग्रोस द्वीप** पर स्थित है, और **नेग्रोस ऑक्सिडेंटल** तथा **नेग्रोस ओरिएंटल** प्रांतों की सीमा पर फैला हुआ है।
3. **ऊँचाई (Elevation):**
   - इसकी ऊँचाई **2,465 मीटर** है।
   - यह **विसाया क्षेत्र** (Visayas) की सबसे ऊँची चोटी है।
   - यह विश्व की **42वीं सबसे ऊँची द्वीपीय चोटी** भी है।
4. **शासन नियंत्रण (Governing Nation):** यह ज्वालामुखी और इसके आसपास के संरक्षित क्षेत्रों का प्रबंधन **फिलीपींस गणराज्य (Republic of the Philippines)** द्वारा किया जाता है।
5. **मुख्य विशेषताएँ:**
   - इसमें **लुगुड क्रेटर (Lugud Crater)** और **मारगाजा कैल्डेरा (Margaja Caldera)** शामिल हैं, जिसमें एक **मौसमी क्रेटर झील** भी बनती है।
   - यह **कानलाओन नेचुरल पार्क (Kanlaon Natural Park)** का हिस्सा है, जो **24,500 हेक्टेयर से अधिक** क्षेत्र में फैला हुआ है।
   - यहाँ **मैम्बुकल हॉट स्प्रिंग्स (Mambukal Hot Springs)** जैसे **भू-तापीय (Geothermal)** स्रोत भी मौजूद हैं।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per Year
Buy Now

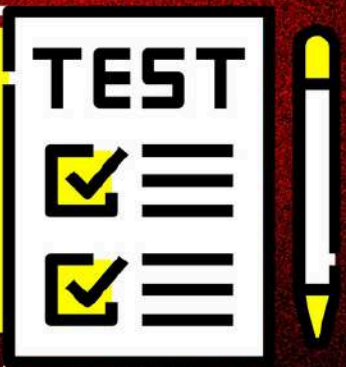

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499 RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !